ऑखें बंद करूँ या खोलूँ

ऑखें बंद करूँ या खोलूँ, मुझको दर्शन दे देना ॥
*दर्शन दे देना, मात मुझे दर्शन दे देना ॥
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,

मैं नाचीज़ हूँ बन्दा तेरा, "तूँ सब की माता है" ॥ (मईया)
तेरे हाथ मैं सारी दुनियाँ, "मेरे हाथ मैं क्या है" ॥
*तुझको देखूँ, जिसमे ऐसा, दर्पण दे देना ॥
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,F

मेरे अन्दर तेरी ज्योति, "रिश्ता है सदियों का" ॥ (मईया)
जैसे इक नाता होता है, "सागर से नदियों का" ॥
*करूँ साधना, तेरी ऐसा, साधन दे देना ॥
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,F

हम सब हैं भक्तन माँ तेरे, "तूँ है मात हमारी" ॥ (मईया)
एक ही बिनती सुन लो मईया, "हम सब शरण तुम्हारी" ॥
*तेरे दर पे, आते रहें हम, शक्ति दे देना ॥
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,F

एक प्रार्थना तुमसे मईया, "मन में आते रहना" ॥ (मईया)
हर इक साँस में मईया अपनी, "झलक दिखते रहना" ॥
*अंत समय जब, प्राण तजूं तब, दर्शन दे देना ॥
ऑखें बंद करूँ या खोलूँ,,,,,,,,,,,F
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20790/title/aankhe-band-karu-ya-kholu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |